an>

Title: Need to take steps to prevent accidents at unmanned level crossings in the country.

श्री हंसराज गंगाराम अहीर (चन्द्रपुर): महोदय, कल जो रेल दुर्घटना हुई थी, उसी के बारे में मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करता हूं कि बिना चौकीदार के ऐसे हजारों गेट हमारे देश में हैं। कल कई सांसदों ने इस घटना पर संसद में दुख प्रकट किया था और सरकार ने भी संवेदनशीलता दिखाई थी तथा उन्हें मुआवजा देने की घोषणा की है। इस तरह से निर्दोष बच्चों की मृत्यु होने से बहुत दुख हुआ है। मैं रेल मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि बिना चौकीदार के जो रेलवे फाटक हैं, उनके बारे में वे चिंता करें। इन सभी गेटों पर चौकीदार होने ही चाहिए। ये जनता की जान-माल के साथ खिलवाड़ है। यह जनता का अधिकार है और इसे मैं मानवाधिकार का हनन भी मानता हूं। ऐसी दुर्घटना पहली बार नहीं हुई है। इसके पूर्व भी ऐसी दुर्घटनाएं हुई हैं और मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि ऐसी दुर्घटनाएं भविष्य में नहीं होनी चाहिए। इससे पहले जो दुर्घटनाएं मेरे यहां हुई थीं, मैं उनका जिक्र करने जा रहा हूं। एक बार मूलमरूणा गेट पर ऐसी घटना हुई थी। ट्रेक्टर पर खेत में काम करने वाले मजदूर जा रहे थे, उन सभी का रेल से टकराकर दुखद अंत हुआ था। वैसे ही मानकी गेट पर आटो की दुर्घटना हुई, उसमें छह लोग बैठे थे। उनमें से पांच लोगों की मौत हो गई थी। इस तरह की जो दुर्घटनाएं होती हैं, इसके लिए मैं चालकों को अपराधी नहीं मानता हूं, बल्कि सरकार को, रेल मंत्रालय को अपराधी मानूंगा क्योंकि वे ऐसे गेट न छोड़ें जहां पर चौकीदार न हों। रेल फाटकों पर चौकीदारों की नियुक्ति होनी चाहिए। निर्दोष लोगों की मौत नहीं होनी चाहिए। मैं आपके माध्यम से विनती करता हूं कि इस भावना को रेल मंत्रालय समझे। आप उन्हें सूचना दें कि ऐसे फाटकों पर चौकीदारों की नियुक्ति होनी चाहिए अथवा ऐसे गेट हों जहां अंडर पास बनाए जाएं। ऐसी सभी जगह पर आरओबी बनाए जाएं।

श्री पी.पी.चौधरी (पाली) : महोदय, मैं अपने आपको श्री अहीर द्वारा उठाए गए मुद्दे से सम्बद्ध करता हूं।

श्री भैरों प्रसाद मिश्र (बांदा) : सभापति जी, मैं अपने संसदीय क्षेत्र बांदा-चित्रकूट में चिकित्सा व्यवस्था बड़ी दयनीय स्थिति में पहुंच चुकी है। वहां केंद्र का कोई बड़ा अस्पताल नहीं है। न ही एम्स है और न कोई बड़ा अस्पताल है। जिला अस्पतालों से ले कर ग्रामीण एवं सभी अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है। बीमारियों के विशेषज्ञ नहीं हैं, खासकर ग्रामीण अंचल के अस्पतालों में तो महीनों यहां तक कि वर्षों से कोई डाक्टर ही नहीं है।

माननीय सभापति : यह स्टेट सब्जेक्ट है।